अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 12 नवंबर 2021
कार्तिक शुक्ल नवमी
विक्रम संवत 2078

PAGE NO 2 : BOTTOM

Advt.

कैंसर रोगियों को जीवन दे रहा है एसआरएमएस

रूहेलखण्ड क्षेत्र, कुमायूं एवं नेपाल के कैंसर रोगियों के लिए बना वरदान

खौफ का कारण बना कैंसर अब लाइलाज नहीं। सही समय पर पहचान और इलाज से कैंसर पूरी तरह ठीक हो जाता है। इसके मरीज स्वस्थ होकर अपनी जिंदगी सामान्य रूप से जीते हैं। लेकिन फिर भी लोग कैंसर को लाइलाज मानने की भूल करते हैं। चिकित्सकों के अनुसार इसका बड़ा कारण कैंसर के मरीजों का लगभग आखिरी स्टेज में कैंसर विशेषज्ञ के पास पहुंचना है। तब तक संक्रमण पूरे शरीर में फैल चुका होता है और मरीज की प्रतिरोधक शक्ति भी कमजोर पड़ जाती है। यही वजह है कि कैंसर से होने वाली मौतों की दर बहुत अधिक है और लोग इसे लाइलाज मानने लगते हैं। लेकिन सही समय पर पहचान और इलाज से कैंसर को काबू में करने के साथ ही इससे पूरी तरह छुटकारा भी पाया जा सकता है। ऐसे में जरूरी है कि कैंसर को जानें, उसे समझें और उसके लक्षणों को पहचान कर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में संपर्क करें। यहां का कैंसर विभाग विश्वस्तरीय उपकरणों से लैस है और यहां मौजूद विशेषज्ञ डाक्टर सभी प्रकार के कैंसर के इलाज में सक्षम हैं। यहां उपचार करवाकर बरेली और आसपास के इलाकों के हजारों कैंसर पीड़ित स्वस्थ होकर सामान्य जिंदगी जी रहे हैं।

- बरेली और आसपास के इलाकों में कैंसर से पीड़ित हजारों मरीज हो चुके हैं स्वस्थ
- विश्वस्तरीय उपकरणों से विशेषज्ञ डाक्टर हर तरीके के कैंसर के इलाज में हैं सक्षम

शुरूआती लक्षणों को लें गंभीरता से

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ओंको सर्जरी विशेषज्ञ डा.शुभांशु गुप्ता कहते हैं कि कैंसर के सही लक्षणों की पहचान तो डॉक्टर ही कर सकता है। लेकिन लगातार वजन घटना, बुखार बना रहना, भूख में लगातार कमी, गले में खराश, थूक में खून आना, किसी घाव का लगातार बना रहना या सामान्य संक्रमण से बार-बार पीड़ित होना ऐसे लक्षण हैं जो कैंसर के सामान्य लक्षण माने जाते हैं। इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। स्तन में गांठ या किसी स्थान पर लगातार कड़ापन बना रहना भी कैंसर की वजह से हो सकता है। ऐसे किसी भी लक्षण होने पर तुरंत कैंसर विशेषज्ञ से संपर्क करें। क्योंकि यह कैंसर की पहली या दूसरी अवस्था के सामान्य लक्षण हो सकते हैं।

डॉ. शुभांशु गुप्ता
एम.सी.एच. (ऑन्कोसर्जरी)

क्या होती है कैंसर सर्जरी?

डा.शुभांशु के अनुसार कैंसर सर्जरी का उपयोग मुख्य रूप से कैंसर रोगियों का इलाज करने के लिए किया जाता है। इसमें ऑपरेशन के दौरान कैंसर ग्रस्त ट्यूमर और उसके आस-पास के टिशू को निकाला जाता है। कई सारे ट्यूमर के लिए सर्जरी सर्वश्रेष्ठ तरीका है। यदि कैंसर ज्यादा न फैला हो।

कैंसर को लेकर सामान्य सवाल

डा.शुभांशु गुप्ता कहते हैं कि कैंसर की जानकारी मिलने पर मन में बहुत से सवाल आते हैं। जैसे क्या मैं ठीक हो सकता हूं? मेरे लिए सबसे सही इलाज कौन सा है? क्या कैंसर का इलाज दर्दनाक होता है? कैंसर के इलाज में कितना समय लगता है? कैंसर के इलाज के दौरान और इसके बाद में मेरी जिंदगी में किस तरह का बदलाव होगा? इन प्रश्नों का उत्तर जानने के लिए लोग बहुत बेचैन रहते हैं और इसके लिए वह हर तरह का प्रयत्न करते हैं। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है। अन्य बीमारियों की तरह ही कैंसर का इलाज संभव है और समुचित इलाज की वजह से अब यह लाइलाज नहीं रहा। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में सभी प्रकार के कैंसर का उपचार संभव है। हर वर्ष यहां से ठीक होकर हजारों मरीज अपनी जिंदगी अन्य लोगों की तरह ही सामान्य रूप से बिता रहे हैं।

अत्याधुनिक कैंसर इलाज की समस्त सुविधायें
श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, बरेली में उपलब्ध

कैंसर सर्जरी, कैंसर हाइपैक सर्जरी (सर्जरी के दौरान ही कीमोथैरेपी देने की सुविधा), लीनियर एक्सीलेरेटर टू बीम से रेडियोथैरेपी (IGRT, IMRT, SRS, SBRT, VMAT), एचडीआर ब्रेकीथैरेपी, कीमोथैरेपी, टारगेटेड एवं बायोलॉजीकल थैरेपी, हार्मोनल थैरेपी, पैलेटिव केयर, पैट स्कैन, गामा स्कैन, 128 स्लाइस ड्यूल सोर्स सी.टी. स्कैन, 3 टैस्ला एमआरआई आदि

✆ 9458704444, 9412761887